हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, बुधवार 23 सितंबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 वायरल वीडियो से लेकर राजस्व रिकॉर्ड की गड़बड़ी तक कलेक्टर की...



07 विमानों में विराजित होकर जलविहार को निकले भगवान, दर्शनों को ...



खबर संक्षेप

24 सितम्बर को होगा सैनिक सम्मेलन

सागर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सागर में 24 सितम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे 'सैनिक सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी जाएगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नौसेना) यूपीएस भदौरिया (सेवानिवृत्त) ने जिले के समस्त पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से सम्मेलन में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होकर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया है।

जनसुनवाई में हुई 220 आवेदनों पर कार्रवाई

सागर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 220 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे, अपर कलेक्टर अविनाश रावत, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मोना दांगी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 220 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

श्रमिकों को समय-सीमा में वेतन भुगतान के निर्देश

सागर। उप श्रमायुक्त के निर्देशानुसार समस्त शासकीय/अशासकीय/निगमों/मंडलों एवं संस्थानों में आपके अधिनस्थ आऊटसोर्स / ठेका श्रमिक/ दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों आदि श्रेणी के श्रमिकों को उनके वेतन भुगतान करने की तिथि के समय-सीमा के संबंध में वेतन भुगतान अधिनियम, 1936 के तहत प्रावधान धारा 5 वेतन भुगतान का समय किसी औद्योगिक या अन्य स्थापना जिसमें 1000 से कम व्यक्ति नियोजित है उनमें कार्यरत व्यक्तियों को जिस माह में कार्य किया गया है उसके अगले माह की 07 तारीख से पूर्व। किसी औद्योगिक या अन्य स्थापना जिसमें 1000 से अधिक व्यक्ति नियोजित है उनमें कार्यरत व्यक्तियों को जिस माह में कार्य किया गया है उसके अगले माह की 10 तारीख से पूर्व। सागर जिले में आप सभी कार्यालयों के अधीनस्थ समस्त श्रमिकों/कर्मचारियों को अनिवार्यतः माह की 07 या 10 तारीख को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप वेतन भुगतान करना सुनिश्चित करें।

बाल मेला में प्री प्राइमरी के छात्रों का प्रथम आंकलन किया गया

रहली। सांदीपनि स्कूल रहली में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल व शिक्षा अंतर्गत एल के जी व यू के जी छात्रों के प्रथम आकलन का आयोजन किया गया। अभिभावकों को आमंत्रित कर और उनके समक्ष बच्चों के मूल्यांकन के लिए गति विधियाँ करवाकर समग्र प्रगति पत्रक भरा गया। प्री प्राइमरी में दर्ज 233 छात्रों में से 214 अभिभावक बच्चों के साथ उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ में पूर्व प्राचार्य विजय पचौरी द्वारा श्री गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलन व पूजन किया गया। प्रभारी शिक्षक नीरज नेमा ने अभिभावकों को बताया कि ईसीसीई आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास का मापन करना, व्यक्ति गत और समूह स्तर पर उनकी प्रगति को समझना, तथा सीखने के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुधार करना है।शिक्षिका रेखा साहू, आकांक्षा विश्वकर्मा, अर्पिता दीक्षित, अमृता रजक,पूनम प्रजापति,रिमी दीक्षित, मोना सेन, रेखा अहिरवार,शबनम बानो ने गतिविधि संपन्न करायी। अभिभावक रक्षा साहू व जयकुमारी पटैल सहभागिता करते हुए रजिस्ट्रेशन का कार्य किया।

प्रार्थना सभा और श्री हनुमत लक्ष्यार्चन के साथ रावतपुरा सरकार के चातुर्मास का समापन

ब्रह्म मुहूर्त में सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का महाभिषेक, गूंजा विश्व कल्याण का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



ब्रह्म मुहूर्त की पावन बेला, वैदिक मंत्रों की गूंज और सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों पर आस्था की धार... वेदांती परिसर में रविवार सुबह 3:30 बजे शुरू हुआ महाभिषेक श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम बन गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन और महाभिषेक करते हुए विश्व कल्याण, शांति, सद्भाव और मंगल की सामूहिक कामना की। इसी के साथ रावतपुरा सरकार के चातुर्मास समापन अनुष्ठान का भावपूर्ण समापन हुआ। सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों के महाभिषेक के दौरान पूरे परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और शिव आराधना का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने साधना में सहभागिता की। महाभिषेक का भाव केवल व्यक्तिगत आराधना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज, राष्ट्र और संपूर्ण विश्व के कल्याण की भावना से जुड़ा रहा।

महाभिषेक के पश्चात प्रार्थना सभा आयोजित हुई। श्रद्धालुओं ने एक स्वर में सभी के सुख, शांति और मंगल की प्रार्थना की। इसके बाद श्री हनुमत लक्ष्यार्चन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान की आराधना कर भक्ति, शक्ति, सेवा और समर्पण के भाव को नमन किया।

चार माह की साधना बनी सेवा और संस्कारों की यात्रा

29 जुलाई को देवशयनी एकादशी से प्रारंभ हुई चातुर्मास साधना का यह समापन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का अंत नहीं, बल्कि चार माह की साधना, संयम, स्वाध्याय, भक्ति और सेवा यात्रा का पावन पड़ाव रहा। इस दौरान सागर में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन हुए। कथा, जप, पूजन और साधना के माध्यम से श्रद्धालुओं को सनातन परंपराओं और आध्यात्मिक संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया गया।

चातुर्मास के दौरान 'एक रोटी गौ माता के लिए' अभियान सेवा और संवेदना का विशेष संदेश लेकर घर-घर पहुंचा। हर शनिवार रावतपुरा सरकार स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और गौ माता के लिए घर से एक रोटी निकालने का आग्रह किया। अभियान ने यह भाव जन-जन तक पहुंचाया कि सेवा के लिए बड़े संसाधनों की आवश्यकता नहीं, घर की रसोई से निकली एक रोटी भी किसी जीव के लिए सहारा बन सकती है।

चार माह की इस यात्रा में जहां वेदांती परिसर में मंत्रों की गूंज और धार्मिक अनुष्ठानों ने वातावरण को आध्यात्मिक बनाया, वहीं सेवा के प्रयासों ने साधना को सामाजिक संवेदना से जोड़ा। चातुर्मास का समापन भी इसी संदेश के साथ हुआ कि ईश्वर की आराधना के साथ जीवमात्र के प्रति करुणा, सेवा और लोककल्याण की भावना ही साधना को सार्थक बनाती है।

वेदांती परिसर में अंतिम प्रार्थना के साथ श्रद्धालुओं ने विश्व शांति और मंगल की कामना की। भक्ति, साधना और सेवा की यह चार माह की यात्रा श्रद्धालुओं के बीच एक भावपूर्ण स्मृति छोड़ गई।



तार चोरी गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

सागर। बांदरी पुलिस ने तार चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 70-80 किलो चोरी का विद्युत तार और वारदात में प्रयुक्त बाइक सहित करीब 65 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया गया है। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद उपजेल खुरई भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार 21 सितंबर की रात पहरगुवां गांव में नाले के पास टावर के नीचे रखा करीब 25 हजार रुपए कीमत का विद्युत तार चोरी हुआ था। रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। घेराबंदी कर रनवीर पिता लक्ष्मण लोधी (36) और सुदामा पिता किशनलाल आदिवासी (30), दोनों निवासी पहरगुवां को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने क्षेत्र में हुई अन्य तार चोरी की घटनाओं में भी संलिप्तता स्वीकार की।कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देश, एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया व नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी खुरई काजल सिंह के निर्देशन में की गई। इसमें थाना प्रभारी सतेन्द्र गुर्जर सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।



सेवा संकल्प अभियान और रेडक्रॉस इकाई के अंतर्गत स्वच्छता अभियान पर शपथ

देवरीकला। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज मंगलवार को शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरी में महाविद्यालय की रेड क्रॉस सिकाई के द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम पर शपथ का आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत की थीम पर शपथ का वाचन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे ने महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर स्वच्छता का संदेश से जागरूक समाज का निर्माण हो और आसपास का वातावरण स्वस्थ और स्वच्छ रहे। इस अवसर पर रेड क्रॉस इकाई के प्रभारी डॉ. संतोष मिश्रा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में हम सब का कर्तव्य है कि हम स्वच्छता में विशेष सहभागिता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए यही हमारा विशेष संकल्प है। मंच संचालन डॉ. रिजवान खान एवं आभार डॉ. विनोद सोनी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. जी.आर. चौहान, डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, डॉ. शिवेन्द्र पाठक सहित महाविद्यालय परिवार एवं अधिक संख्या में छात्र-छात्राऐं मौजूद रहे।



सम्मान वही सार्थक, जो समाज के काम आए: सरोज

खुरई। जिला पंचायत की पूर्व उपाध्यक्ष सरोज भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि सम्मान वही सार्थक है, जो समाज के काम आए। पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह के "सम्मान, जो समाज के काम आए" संकल्प के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेवन में 300 छात्र-छात्राओं को बैग, कॉपी, टिफिन, पानी की बोतल सहित उपयोगी सामग्री वितरित की गई। वहीं 20 विद्यार्थियों को साइकिलें भी प्रदान की गईं। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों के लिए साइकिल आवागमन को आसान बनाएगी और नियमित पढ़ाई में मदद करेगी। विद्यार्थियों से सामग्री का सदुपयोग करने, शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने का आह्वान किया। सरोज सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सम्मान में मिलने वाली सामग्री को फूल-माला तक सीमित रखने के बजाय जरूरतमंदों के उपयोग में लाना है। इसी भावना से विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री, बहनों को साड़ियां तथा अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता, गुरुजनों और क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की।

श्री वर्णी पाठशाला के बच्चों द्वारा नाटक प्रस्तुति

सागर। मकरोनिया स्थित पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर के विद्या भवन में वर्णी पाठशाला के बच्चों द्वारा एक नाटक प्रस्तुत किया गया जो की प्रथम जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रानी अन्नक्का के जीवन पर आधारित था इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कपिल मलैया उपस्थित रहे । नाटिका का डायरेक्शन एवं संचालन सुनीता रांधेलीया के द्वारा किया गया। मंदिर ट्रस्ट कमेटी से अशोक, सुखपाल,बजाज द्वारा पाठशाला के बच्चों को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम में सहयोग शिल्पा, राजेश मलैया का रहा। सुनीता रांधेलीया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रहली में सांदीपनी विद्यालय में उमंग उत्सव, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रहली



शासकीय सांदीपनी विद्यालय में मंगलवार को आयुष्मान भारत स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम के अंतर्गत उमंग उत्सव आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम 'उमंग है तो जिंदगी में रंग है, चुनौतियों से लड़कर सकारात्मक सोच से बनाएंगे भविष्य' रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, जीवन कौशल, स्वास्थ्य जागरूकता और आत्म सुरक्षा की भावना विकसित करना रहा।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यार्थियों ने उमंग एंथम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम प्रभारी मधुलता दीक्षित ने उमंग कार्यक्रम की उपयोगिता बताई। उमंग मैसेंजर विद्यार्थियों का बैच अलंकरण कर स्वागत किया गया तथा श्रुति राजपूत ने नकारात्मकता से दूर रहने की शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि एसडीओपी प्रकाश मिश्रा, थाना प्रभारी संजय ऋषीश्वर, डॉ. वसंत नेमा, सहायक संचालक स्वाति दुबे, डॉ. भानु लक्ष्मी नेमा, आरक्षक संजना यादव सहित अतिथियों ने विद्यार्थियों से अपने संघर्ष और सफलता के अनुभव साझा किए। उन्होंने असफलताओं से सीख लेकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने जीवन कौशल एवं जागरूकता आधारित प्रस्तुतियां दीं। 14425 टोल-फ्री नंबर, सोशल मीडिया की भ्रामक जानकारी से बचाव, आत्मसुरक्षा तथा गुड टच-बैड टच पर प्रस्तुतियों के माध्यम से जागरूक किया गया। महिला सशक्ती करण पर साधना अहिरवार ने विचार रखे। उमंग कॉर्नर में विद्यार्थियों द्वारा तैयार रचनात्मक सामग्री, जिज्ञासा पेटी, आकांक्षा वृक्ष तथा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। उत्कृष्ट सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन गोविंद सिंह ठाकुर, ज्योति राजावत एवं सचिंद्र शुक्ला ने किया। विद्यालय के प्राचार्य दिलीप कुमार चौबे सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डोल ग्यारस पर निकली शोभायात्रा

रहली। ग्राम चाँदपुर में श्री राधा कृष्ण भगवान के बाल स्वरूप को सुंदर पालकी डोल में विराजमान करके गाजे- बाजे के साथ जलाशय तक शोभायात्रा निकाली गई और उन्हें जल स्नान कराया गया डोल ग्यारस जलझूलनी एकादशी के दिन भगवान की पूजा की फिर विमान डोल पालकी में बैठाकर जलाशय तक ले जाने और घुमाने का धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पूजन सभी ग्राम वासियों ने किया। शोभा यात्रा श्री जानकी रमन मंदिर से शुरू होकर सारे ग्राम में भ्रमण करते हुए जलाशय की ओर गई भजन मंडली द्वारा राधा नाम संकीर्तन करते हुए आनंद अर्जित किया ग्राम चांदपुर में यह पावन अवसर प्रतिवर्ष बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

अपनों को खो चुके परिवारों के बीच मदद का हाथ बढ़ाएंगे मनी सिंह गुरोन



सागर। बंडा शराबकांड ने कई परिवारों से उनके अपने छीन लिए। कहीं बेटे की मौत का मातम है तो कहीं भाई और पिता के चले जाने से घर सूना हो गया है। इस त्रासदी से प्रभावित करीब 35 परिवारों तक अब मदद पहुंचाने की पहल की गई है। सतनाम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मनी सिंह गुरोन की ओर से अगले दो से तीन दिनों में इन परिवारों को राहत सामग्री वितरित की जाएगी। उनका कहना है कि कोई भी सहायता अपनों की कमी पूरी नहीं कर सकती, लेकिन दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना समाज की जिम्मेदारी है। मनी सिंह गुरोन ने कहा कि यह केवल राहत सामग्री वितरण नहीं, बल्कि उन परिवारों के साथ संवेदना से खड़े होने का प्रयास है, जिन्होंने इस त्रासदी में अपना करीबी खोया है। सतनाम वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से इससे पहले भी जरूरतमंदों और आपदा प्रभावित लोगों की मदद की जाती रही है।

गुल्लक में सिर्फ सिक्के नहीं, बच्चों ने सहेजे बचत और संस्कार के सपने

गणेशोत्सव में बच्चों की विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मिट्टी के गुल्लक भेंट कर मितव्ययता, छोटी बचत और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



गणपति की आराधना के बीच जब नन्हे कदम मंच पर थिरके, बच्चों की आवाज में भजन और श्लोक गूंजे तो राजघाट रोड स्थित सनराईस रेसीडेंसी कॉलोनी का माहौल आस्था के साथ संस्कार और उमंग से भर उठा। सार्वजनिक गणेशोत्सव में बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ उन्हें जीवन की छोटी-छोटी अच्छी आदतों से जोड़ने की अनूठी पहल भी की गई। कार्यक्रम में बच्चों को उपहार के रूप में मिट्टी के गुल्लक भेंट किए गए। इन गुल्लकों में केवल सिक्के नहीं, बल्कि बचत, मितव्ययता, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर भविष्य के सपने सहेजने का संदेश दिया गया। गणेशोत्सव के दौरान परिवारों के समूहों ने भजन, श्लोक एवं चौपाइयों की अंत्याक्षरी में हिस्सा लिया। बच्चों के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित क्विज, फैंसी ड्रेस, धर्म कथाओं पर आधारित नृत्य, गीत और लघु नाटकों का आयोजन हुआ। नन्हे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की मासूम अदाओं और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों पर पूरा परिसर तालियों से गूंजता रहा।

कार्यक्रम में शिवांजय तिवारी, धैर्य शर्मा, धार्वी शर्मा, पूर्वेश सक्सेना, दिशिका परिहार, दीपिका नापित, कृष्णवती पाटीदार, शिवन्या वर्मा, आदि शर्मा, आरना चौरसिया, अनिका गुप्ता, अवनीश सराफ, श्रेयस सराफ, आरव राय, शिवेश सक्सेना, भारती परिहार, ओजित चौरसिया, एलिना धाकड़, अवनी पटेल, अंशिका त्रिपाठी एवं अर्णवी अग्रवाल सहित अन्य बच्चों ने सहभागिता की।

गुल्लक बनी संस्कारों की पहली पाठशाला

आयोजन समिति ने सहभागी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देने के साथ मिट्टी के गुल्लक भी भेंट किए। 'चिल्ड्रन बैंक' के नाम से दिए गए इन गुल्लकों के माध्यम से बच्चों को छोटी-छोटी बचत की आदत डालने और मितव्ययता का महत्व समझाने का प्रयास किया गया। बच्चों के हाथों में पहुंचे ये छोटे-से गुल्लक मानो उन्हें यह सीख दे रहे थे कि बड़ी बचत की शुरुआत भी एक छोटे सिक्के से ही होती है।

मिट्टी के गुल्लक में पर्यावरण और कारीगरों की चिंता भी

गुल्लक के लिए मिट्टी को चुनना भी अपने आप में एक संदेश रहा। आयोजकों ने बच्चों को पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा पारंपरिक मिट्टी के उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित किया। साथ ही मिट्टी के सामान बनाने वाले कारीगरों और उनके परिवारों की आजीविका से जुड़ने तथा स्थानीय हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देने की भावना भी बच्चों में विकसित करने का प्रयास किया गया।

आयोजकों का कहना है कि गणेशोत्सव केवल पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों में संस्कार, रचनात्मकता, बचत की आदत और सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी का भाव भी विकसित हो, यही आयोजन का उद्देश्य है। बच्चों की प्रस्तुतियों से सजा यह उत्सव इसी संदेश के साथ यादगार बन गया कि आज की छोटी बचत और अच्छे संस्कार ही कल के मजबूत भविष्य की नींव रखते हैं।



गणपति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

सागर। गणेशोत्सव पर्व के समापन अवसर पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के गरिमापूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित विसर्जन को लेकर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतिभा पाल ने लेहदरा मुख्य गणपति विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में किसी प्रकार की कोई कमी न रहे। विसर्जन के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ की विशेष टीम और प्रशिक्षित गोताखोरों को विसर्जन स्थल पर आवश्यक उपकरणों के साथ निरंतर मुस्तैद रखने के निर्देश दिए गए। बड़ी एवं मध्यम आकार की गणेश प्रतिमाओं के सम्मानजनक व सुरक्षित विसर्जन के लिए विसर्जन स्थल पर पर्याप्त क्षमता वाली क्रेन मशीन की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। विसर्जन घाटों, पहुंच मार्गों तथा आसपास के पूरे परिसर में निर्बाध एवं पर्याप्त लाइट (प्रकाश व्यवस्था) सुनिश्चित करने हेतु नगर निगम को निर्देशित किया गया। इसी प्रकार समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विसर्जन स्थल पर सुचारू रूप से ड्यूटी पर उपस्थित रहने और व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री, एसडीएम रोहित वर्मा, तहसीलदार संदीप तिवारी सहित नगर निगम, पुलिस एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जतारा तहसील का बाबू निलंबित, कलेक्टर की सख्ती से तहसील कार्यालय में हड़कंप

वायरल वीडियो से लेकर राजस्व रिकॉर्ड की गड़बड़ी तक कलेक्टर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



शासकीय कार्यालयों में भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही के मामलों को लेकर जिला प्रशासन की सख्ती एक बार फिर सामने आई है। जतारा तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक वर्ग-3 कर्मचारी महेश कुमार तिवारी को कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई तहसीलदार जतारा के प्रतिवेदन और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जतारा की रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

निलंबन आदेश में राजस्व प्रकरणों से संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतिलिपियां एवं अपील आदेश जारी करने में सामने आई कथित अनियमितताओं के साथ सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का भी उल्लेख किया गया है। कार्रवाई के बाद तहसील कार्यालय में हड़कंप की स्थिति है। बताया गया है कि महेश कुमार तिवारी के संबंध में कुछ समय पूर्व सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए थे। इनमें एक वीडियो में उन्हें कार्यालय में आम नागरिकों के साथ कथित रूप से धक्का-मुक्की करते हुए दिखाई देने की बात आदेश में कही गई है। वहीं 27 जुलाई को वायरल एक अन्य वीडियो में नकल प्राप्त करने के एवज में कथित तौर पर धनराशि के लेन-देन से संबंधित बातचीत दिखाई देने का उल्लेख किया गया है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद कर्मचारी की कार्यप्रणाली और आचरण को लेकर सवाल उठे थे। कलेक्टर श्रोत्रिय द्वारा जारी निलंबन आदेश के अनुसार, राजस्व प्रकरणों से संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतिलिपियां और अपील आदेश जारी किए जाने के मामले में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। संबंधित प्रकरणों के आदेशों की प्रतिलिपियां आरसीएमएस में दर्ज नहीं पाई गईं। इसके साथ ही कुछ आदेशों पर किए गए हस्ताक्षरों को लेकर भी संदेह व्यक्त किया गया। जांच के दौरान संबंधित रीडर अथवा लिपिक के मिलान वाले हस्ताक्षर नहीं पाए जाने की बात भी आदेश में दर्ज है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जतारा द्वारा 28 अप्रैल को संबंधित आदेशों की सत्य प्रतिलिपियों को निरस्त कर पुनः प्रतिलिपियां जारी करने तथा प्रतिलिपियां जारी करने वाले लिपिक के विरुद्ध पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद तहसीलदार जतारा द्वारा संबंधित कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा गया।

मामले में तहसीलदार जतारा के प्रतिवेदन तथा एसडीएम जतारा की रिपोर्ट सामने आने के बाद कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने महेश कुमार तिवारी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की। आदेश में कर्मचारी का आचरण मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के विपरीत पाए जाने का उल्लेख करते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई को तहसील कार्यालय में शासकीय कार्यप्रणाली, राजस्व अभिलेखों और आम नागरिकों से व्यवहार को लेकर सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के साथ राजस्व प्रकरणों के दस्तावेजों में सामने आई अनियमितताओं को एक ही कार्रवाई में शामिल किए जाने से मामला चर्चा में आ गया है।

निलंबन आदेश के अनुसार महेश कुमार तिवारी का निलंबन अवधि में मुख्यालय तहसील कार्यालय जतारा, जिला टीकमगढ़ निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अब मामले से जुड़े दस्तावेजों, अभिलेखों और कथित अनियमितताओं को लेकर आगे की प्रक्रिया पर भी नजर बनी हुई है।

टौरिया के प्राथमिक स्कूल में अव्यवस्थाओं के विरोध में छात्रों का अनोखा प्रदर्शन

गंदगी, बिजली, लेटलतीफी से नाराज बच्चों ने स्कूल में जड़ा ताला





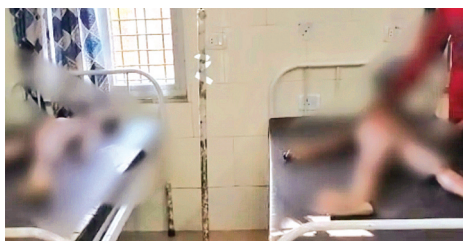
हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले स्कूल में जब बुनियादी सुविधाओं का अभाव हो और सफाई व्यवस्था बदहाल हो जाए तो बच्चों का आक्रोश सामने आना स्वाभाविक है। ऐसा ही मामला पलेरा जनपद शिक्षा केंद्र के टौरिया गांव में सामने आया, जहां प्राथमिक स्कूल की अव्यवस्थाओं और गंदगी से परेशान छात्रों ने मंगलवार को स्कूल में ही ताला जड़ दिया। बच्चों के इस कदम की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। तहसीलदार पलक जैन और थाना प्रभारी प्रीति भार्गव मौके पर पहुंचीं और बच्चों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली। बच्चों ने अधिकारियों को बताया कि स्कूल परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई नहीं होती, जिसके कारण परिसर में जगह-जगह गंदगी बनी रहती है। छात्रों का कहना था कि स्कूल में तैनात शिक्षक भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते, जिससे पढ़ाई प्रभावित होती है। इसके अलावा स्कूल में बिजली की सुविधा नहीं होने के कारण गर्मी के मौसम में बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्कूल में ताला लगाए जाने की जानकारी मिलने के बाद तहसीलदार पलक जैन और थाना प्रभारी प्रीति भार्गव टौरिया गांव पहुंचीं। दोनों अधिकारियों ने बच्चों से बातचीत कर स्कूल की स्थिति के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने बेझिझक अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं और स्कूल में सफाई, बिजली तथा शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की।

अधिकारियों ने स्कूल परिसर का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में मौजूद गंदगी और अन्य अव्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। मामले की जानकारी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को भी दी गई है। स्कूल की बदहाल सफाई व्यवस्था को देखते हुए अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों के सहयोग से स्कूल परिसर में सफाई अभियान भी चलाया गया। इस दौरान परिसर की गंदगी हटाई गई और बच्चों के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करने का प्रयास किया गया। तहसीलदार पलक जैन ने बच्चों को समझाइश देते हुए नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपनी समस्याओं को अधिकारियों तक पहुंचाना उनका अधिकार है, लेकिन पढ़ाई से दूर रहना किसी समस्या का समाधान नहीं है। मामले में शिक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। वहीं बच्चों के अभिभावकों ने भी थाने पहुंचकर अपनी शिकायत अधिकारियों के सामने रखी। मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार ने बीईओ को स्कूल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार कराने की हिदायत दी है।

तहसीलदार ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखा गया है तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल में बिजली, साफ-सफाई, शिक्षकों की उपस्थिति सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने पर जोर दिया गया है।

गऊताल तालाब की गहराई बनी दो मासूमों के लिए जानलेवा



नहाने गए दो बच्चों की डूबने से दर्दनाक मौत ककरवाहा गांव में पसरा मातम, परिवारों में मचा कोहराम

टीकमगढ़। जिले में तालाब और पोखरों में बच्चों के डूबने की घटनाओं के बीच एक बार फिर दर्दनाक हादसा सामने आया है। बड़ागांव थाना क्षेत्र के ग्राम ककरवाहा स्थित गऊताल तालाब में नहाने गए दो मासूम बच्चों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। मंगलवार दोपहर हुए इस हादसे की खबर जैसे ही गांव में पहुंची, चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते पूरे गांव में मातम छा गया। हादसे ने एक बार फिर तालाबों और जलाशयों के आसपास बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।जानकारी के अनुसार मंगलवार करीब 3 बजे ग्राम मदनीखेरा निवासी दो बच्चे अनिकेत अहिरवार (9), पिता बबलू अहिरवार और हेमंत अहिरवार (10), पिता देवी अहिरवार नहाने के लिए ग्राम ककरवाहा के गऊताल तालाब पहुंचे थे। बताया गया कि नहाते समय दोनों बच्चे धीरे-धीरे तालाब के गहरे हिस्से की ओर चले गए। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से दोनों गहरे पानी में डूब गए। बच्चों के डूबने की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकालने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। एक साथ दो मासूमों की मौत की खबर ने मदनीखेरा और ककरवाहा गांव को झकझोर कर रख दिया। जिन घरों में कुछ समय पहले तक बच्चों की हंसी-खुशी और किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अचानक मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर आंख नम है और हर जुबां पर इस हृदयविदारक हादसे की चर्चा है। गौरतलब है कि जिले में बीते दिनों तालाब और पोखरों में बच्चों के डूबने की घटनाओं के बाद कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने भी बच्चों को ऐसे जलस्रोतों से दूर रखने और अभिभावकों को विशेष सावधानी बरतने की समझाइश दी थी। इसके बावजूद गऊताल तालाब में दो मासूमों की जान चले जाने से जलस्रोतों के आसपास सुरक्षा और बच्चों की निगरानी का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है। दो मासूम जिंदगियों का इस तरह अचानक बुझ जाना उनके परिवारों के लिए ऐसा गहरा जख्म छोड़ गया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। तालाब की गहराई में समाई इन दो जिंदगियों ने गांव को यह दर्दनाक सवाल भी दे दिया है कि आखिर कब तक लापरवाही और असावधानी के चलते मासूमों को जलस्रोतों की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी।

खरगापुर के आवासीय हॉस्टल से तीन नाबालिग छात्र लापता

कक्षा 4 और 7 में पढ़ने वाले तीनों बच्चे गायब, परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की तलाश, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



जिले के खरगापुर स्थित जानकी बाई आवासीय हॉस्टल से तीन नाबालिग छात्रों के अचानक गायब होने का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह जब परिजनों को बच्चों के हॉस्टल से लापता होने की जानकारी मिली तो परिवारों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने तत्काल खरगापुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और पुलिस से बच्चों को जल्द से जल्द तलाश कर सुरक्षित बरामद करने की मांग की। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने बच्चों की तलाश शुरू कर दी है।

लापता छात्रों में 13 वर्षीय आनंद अहिरवार और 12 वर्षीय विशाल कुशवाहा, दोनों कक्षा 7वीं में अध्ययनरत हैं। वहीं 9 वर्षीय प्रमोद कुशवाहा कक्षा 4वीं का छात्र है। तीनों बच्चे हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। अचानक उनके गायब होने की सूचना से परिजन चिंतित हैं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बच्चों के गायब होने की जानकारी सामने आने के बाद हॉस्टल संचालक रमेश अहिरवार भी मौके पर मौजूद नहीं मिला। इसको लेकर भी परिजनों और स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हॉस्टल के संचालन को लेकर आवश्यक मान्यता और व्यवस्थाओं की जांच की जानी चाहिए। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि खरगापुर में कुछ अन्य आवासीय हॉस्टल भी कथित रूप से बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा, हॉस्टल संचालन की वैधानिक स्थिति और संबंधित विभाग द्वारा की जाने वाली निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि शिक्षा विभाग की किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है और पूरे मामले की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। खरगापुर थाना प्रभारी अंबर सिंह सिकरवार ने बताया कि बच्चों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। हॉस्टल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी देखी जा रही है, ताकि बच्चों की आवाजाही से संबंधित कोई सुराग मिल सके। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर बच्चों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस टीम संभावित स्थानों पर जानकारी जुटा रही है और उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बच्चों के संबंध में सुराग तलाश रही है। तीन नाबालिग छात्रों के एक साथ लापता होने की घटना ने हॉस्टल में रहने वाले अन्य बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब पुलिस जांच के साथ शिक्षा विभाग द्वारा हॉस्टल की मान्यता, संचालन और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की पड़ताल के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

दो दिन से बंद बिजली बनी मौत का जाल करंट से 30 वर्षीय महिला की मौत



टीकमगढ़। जिले के चंदेरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को बिजली करंट की चपेट में आने से 30 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान लाड़ कुंवर कुशवाहा के रूप में हुई है। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों ने महिला का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और बिजली कंपनी के ओआईसी सहित लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी की। सूचना मिलते ही चंदेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर प्रदर्शन समाप्त कराया। परिजनों के अनुसार पिछले दो दिनों से क्षेत्र में बिजली सप्लाई बंद थी। इसी दौरान घर के बाहर बिजली का केबल पड़ा हुआ था। मंगलवार को लाड़ कुंवर इसी केबल की चपेट में आ गईं। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं और उनकी मौत हो गई। मृतका के परिजन जगदीश कुशवाहा ने बिजली कंपनी के कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति बंद थी और इसी कारण घर के बाहर पड़ा केबल बिजलीविहीन समझा जा रहा था। आरोप है कि बिजली कर्मचारियों ने अचानक केबल में विद्युत सप्लाई चालू कर दी, लेकिन उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी नहीं दी गई। इसी दौरान महिला केबल की चपेट में आ गई और उसकी जान चली गई। हादसे के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने महिला का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली कंपनी के ओआईसी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। परिजनों का कहना था कि यदि बिजली सप्लाई बहाल करने से पहले लोगों को सूचना दी जाती तो यह हादसा टाल जाता।

दिगौड़ा पुलिस का एक्शनः 3 आरोपियों की निकली पैदल परेड

गुंडागर्दी पाप है, पुलिस हमारी बाप है, के लगवाए नारे, मारपीट और कई मामले के आरोपी हैं तीनों

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले के दिगौड़ा थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को उनकी पैदल परेड कराई। पुलिस की मौजूदगी में सड़क पर निकाली गई इस परेड के दौरान आरोपियो द्वारा, गुंडागर्दी पाप है, पुलिस हमारी बाप है के नारे भी लगाये गये। पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में चर्चा रही। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। दिगौड़ा थाना प्रभारी मनीष मिश्रा के अनुसार पहला मामला 20 सितंबर को बैदोरा गांव निवासी 27 वर्षीय प्रदीप साहू की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में प्रदीप ने आरोप लगाया था कि मोहित साहू और रोहित साहू, दोनों निवासी बैदोरा, रवि यादव निवासी खरोई तथा हरिकिशन चढार निवासी दिगौड़ा ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने कुल्हाड़ी और लाठियों से उसके साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहित साहू और रोहित साहू को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इस मामले में रवि यादव और हरिकिशन चढार अभी फरार हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी है। दूसरा मामला 18 सितंबर



का है। खरोई के टुड़ियन खिरक निवासी 32 वर्षीय ब्रजमोहन पाल ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि छोटू यादव और रवि यादव ने उसकी बाइक क्रमांक एमपी 36 एमडी 9122 में आग लगा दी। आरोप है कि दोनों ने रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट भी की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने 25 वर्षीय रंजीत उर्फ छोटू यादव को गिरफ्तार कर लिया। वहीं इस मामले में नामजद रवि यादव निवासी खरोई अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर है और उसकी तलाश की जा रही है। दोनों मामलों में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को मंगलवार को पुलिस ने सड़क पर पैदल घुमाया। इस दौरान पुलिस की मौजूदगी में आरोपी नारे लगाते हुए चलते रहे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। दिगौड़ा थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वहीं दोनों मामलों में फरार चल रहे आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई जारी है।

टेंडर के बाद भी सालभर ठप पड़ा था काम, सड़क निर्माण शुरू होने से लोगों को मिली राहत

जागा नगर परिषद, शुरू हुआ एक साल से अटका सड़क निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा





एक साल से टेंडर होने के बावजूद सड़क निर्माण का इंतजार कर रहे वार्ड क्रमांक 13 के रहवासियों के लिए आखिरकार राहत की खबर सामने आई है। हरिभूमि में प्रकाशित खबर का असर ऐसा हुआ कि पलेरा नगर परिषद का जिम्मेदार अमला हरकत में आया और वार्ड 13 में लंबे समय से अटके सीसी सड़क निर्माण का काम शुरू करा दिया गया। सड़क निर्माण शुरू होने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है, लेकिन साथ ही निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी निगरानी रखने की बात कही है।

वार्ड क्रमांक 13 में सीसी सड़क निर्माण के लिए करीब एक वर्ष पहले टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद मौके पर काम शुरू नहीं हो रहा था। सड़क निर्माण की बाट जोह रहे वार्डवासियों को बार-बार आश्वासन मिलते रहे, लेकिन धरातल पर काम दिखाई नहीं दे रहा था। लंबे इंतजार के बाद जब मामला लगातार उठाया गया तो 15 सितंबर को हरिभूमि ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इस मुद्दे को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर सामने आने के बाद नगर परिषद का अमला सक्रिय हुआ और अब सड़क निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है।

लंबे समय से कागजी प्रक्रिया और टेंडर के बावजूद अटके निर्माण कार्य को लेकर वार्डवासियों में नाराजगी थी। उनका कहना था कि जब सड़क निर्माण के लिए टेंडर स्वीकृत हो चुका था तो फिर काम शुरू होने में इतनी देरी क्यों हुई। खबर प्रकाशित होने के बाद नगर परिषद ने मौके पर निर्माण सामग्री पहुंचाई और सीसी सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराई। काम शुरू होने से वार्डवासियों को फिलहाल राहत मिली है। हालांकि लोगों का कहना है कि उन्हें केवल सड़क निर्माण शुरू होने से नहीं, बल्कि मजबूत और टिकाऊ सड़क बनने से संतुष्टि होगी। वार्डवासियों ने निर्माण कार्य शुरू होने का स्वागत करते हुए स्पष्ट किया कि करीब एक वर्ष का इंतजार करने के बाद अब वे सड़क की गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं चाहते। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सीमेंट, रेत, गिट्टी सहित निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर जिम्मेदार अधिकारियों को निगरानी रखनी चाहिए। सड़क केवल आनन-फानन में बनाकर खानापूर्ति न हो, बल्कि ऐसी बने कि लंबे समय तक लोगों को उसका लाभ मिल सके। वार्डवासियों ने यह भी चेतावनी दी है कि निर्माण कार्य में यदि गुणवत्ता से समझौता किया गया या निर्धारित मापदंडों की अनदेखी की गई तो वे चुप नहीं बैठेंगे। लोगों ने कहा कि एक वर्ष तक सड़क निर्माण का इंतजार करने के बाद अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवश्यकता पड़ी तो वे चक्का जाम सहित आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी नगर परिषद प्रशासन की होगी। फिलहाल सड़क निर्माण शुरू होने से वार्ड 13 के लोगों में उम्मीद जगी है।

कचरा जहां-तहां नहीं, पंचायत के कचरा वाहन में डालें



टीकमगढ़। स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी संदेश को लेकर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विशाल धाकड़ ने ग्राम पंचायत अनंतपुरा पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया और गांव में कचरे के उचित निपटान को लेकर जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि घरों से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर न फेंकें, बल्कि ग्राम पंचायत द्वारा संचालित कचरा वाहन में ही डालें। साथ ही घर के स्तर पर ही गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत विकसित करने पर जोर दिया। जिपं सीईओ विशाल धाकड़ के अनंतपुरा पहुंचने पर ग्रापं के अधिकारी कर्मचारियों ने अभियान से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान जिला पंचायत के जिला समन्वयक मनीष जैन सहित ग्राम पंचायत सचिव एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। सीईओ ने ग्रामीणों के साथ सीधे संवाद करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उनकी सहभागिता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना केवल ग्राम पंचायत या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक ग्रामीण की भागीदारी जरूरी है। यदि प्रत्येक परिवार अपने घर से निकलने वाले कचरे को निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से बाहर करेगा और गीले-सूखे कचरे को अलग-अलग रखेगा तो गांव की स्वच्छता व्यवस्था को काफी बेहतर बनाया जा सकता है। जिला पंचायत सीईओ धाकड़ ने ग्रामीणों को समझाइश दी कि कचरे को सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, नालियों अथवा खाली स्थानों पर फेंकने के बजाय ग्राम पंचायत द्वारा संचालित कचरा वाहन को ही सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि कचरे का व्यवस्थित संग्रहण और उचित निपटान गांव को गंदगी, दुर्गंध और बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपने आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता बनाए रखने और अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत अपने घर और आसपास से ही होती है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी जिम्मेदारी समझकर कदम उठाए तो पूरे गांव की तस्वीर बदली जा सकती है।

जलझूलनी ग्यारस पर जिलेभर में निकाले गए विमान

विमानों में विराजित होकर जलविहार को निकले भगवान, दर्शनों को उमड़े लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जल झूलनी ग्यारस पर शहर सहित जिलेभर में डोल ग्यारस पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सबसे बड़ा आयोजन जिला मुख्यालय पर हुआ। यहां विभिन्न मंदिरों से भगवानों को विमानों में विराजित कराकर जल विहार के लिए ले जाया गया। 47 मंदिरों से विमानों में बैठकर निकले भगवान के स्वागत और उनके दर्शनों के लिए बडी संख्या में उमडे श्योपुर वासियों ने पलक पांवड़े बिछा दिए।दर्शनों के लिए रास्तों में इतनी भीड़ उमड़ी कि सड़कों पर पैर रखने तक को जगह नहीं मिली। गणेश बाजार, पुल दरवाजा और बड़ौदा रोड के मकानों के छज्जे व छतों पर ही हजारों लोग खड़े थे। जल विहार को निकले भगवानों के दर्शन करने पहुंचे दर्शनार्थियों ने केले व अन्य फलों के भोग लगाएं। इस दौरान विभिन्न अखाड़ों के अखाड़ेवाजियों ने अपनी कला कौशल का प्रदर्शन भी किया। सोंईकलां, दांतरदा, ढोढर, विजयपुर, कराहल, मानपुर और बड़ौदा में भी डोल निकाले गए।

मंगलवार को करीब 4 बजे मंदिरों से भगवान को जल विहार कराने के लिए विमानों में बैठाकर निकाला गया। विभिन्न मंदिरों से टोढ़ी गणेश बाजार लक्ष्मीनारायण मंदिर पर पहुंचे विमानों की सामूहिक पूजा अर्चना की गई यहां से सभी विमानों को बैंडबाजों के साथ समारोह पूर्वक बंजारा डैम पर जल विहार के लिए ले जाया गया। सूर्यास्त से पहले सभी विमान बंजारा डैम पर पहुंच गए। यहां भगवानों को जल विहार कराया गया। इसके बाद नगर पालिका द्वारा बनाए गए चबूतरों पर भगवान के दर्शनों के लिए विमानों को रखा गया। यहां पर सामूहिक आरती की गई। सामूहिक आरती के बाद सभी देव विमानों को वापस मंदिरों पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई। इस बीच भगवानों को तीन स्थानों पर विराम दिया गया। पहला पुल दरवाजे के बाहर, दूसरा मालियों का मंदिर और तीसरा गणेश बाजार में। गणेश मंदिर के पास विमानों को रात 12 बजे तक दर्शनार्थियों के लिए रखा गया।







चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच निकले विमान

डोल ग्यारस के त्योहार को लेकर पुलिस ने व्यवस्था चाक चौबंद रखी थी। एसपी के निर्देश पर हर विमान के साथ 2 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, जो मंदिर से लेकर बंजाराडैम तक और वापस मंदिर पहुंचने तक साथ रहे। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों चौराहों, मंदिरों पर पुलिसकर्मी रात 12 बजे विमानों के वापस मंदिरों पर लौटने तक तैनात रहे। कलेक्टर शीला दाहिमा,एसपी मोतीउर रहमान, सहित आला अधिकारी कोतवाली पर बैठकर दिनभर मेला व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से लेते रहे और शाम को जलविहार के समय बंजाराडैम पहुंचकर महाआरती में शामिल हुए।

जगह-जगह आयोजित हुए भंडारे

डोल ग्यारस पर जगह-जगह भंडारे आयोजित किए गए। डोल ग्यारस पर बड़ी संख्या में गरीब आदिवासी वर्ग शहर में समारोह देखने आता है। ऐसे गरीबों को भोजन कराने के लिए स्वंयसेवी संस्थाओं ने स्टॉल लगाकर भोजन वितरण किया। रामतलाई हनुमान मंदिर, नगर पालिका के सामने, चौपड़ गणेश जी मंदिर पर, पुल दरवाजे के बाहर आदि स्थानों पर स्टॉल लगाकर गरीबों को भोजन वितरण किया गया।

सहयोगी बने दानदाताओं का शांतिपथ सेवा संस्थान ने किया सम्मान

मुक्तिधाम में बना मंदिर, विराजे महादेव पूजा अर्चना के साथ किया गया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शहर श्योपुर के बडौदा रोड स्थित मुक्तिधाम का परिसर का नजारा सुंदर और अलौकिक होता जा रहा है। जिसका पूरा श्रेय शांतिपथ सेवा संस्थान श्योपुर के निरंतर प्रयास और शहर के दानदाताओं के सहयोग को जाता है, क्योंकि इन्ही के सहयोग से ही यह संभव हो सका है। मुक्तिधाम परिसर में महाकालेश्वर महादेव का मंदिर बनकर तैयार हो गया है। जिसमें 11 फीट ऊंची मार्वल से निर्मित महादेव की मूर्ति को विराजित करते हुए मंगलवार को डोलग्यारस के मौके पर विधिवत पूजा अर्चना और आरती के साथ इस मंदिर का लोकार्पण भी कर दिया गया है। इस मौके पर नगर के बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी नागरिक और समाजसेवी तथा शांतिपथ सेवा संस्थान पदाधिकारी व सदस्यगण भी मौजूद थे।

मुक्तिधाम परिसर में बने महाकालेश्वर महादेव मंदिर में दर्शनों के लिए पहुंचने वाले लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां, पंखे और प्यास बुझाने के लिए वाटरकूलर की व्यवस्था की गई है। मंदिर के लोकार्पण अवसर पर शांतिपथ सेवा संस्थान श्योपुर के द्वारा इन सेवाभावी कार्यों में दान देकर सहयोगी बने दानदाताओं का सम्मान भी किया गया।

शांतिपथ सेवा संस्थान श्योपुर के अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता तथा पूर्व अध्यक्ष देवी सिंह कुशवाह ने बताया कि संस्थान की ओर से जिन दानदाताओ का सम्मान किया गया है, उनमें दिनेश खंडेलवाल, ईश्वर सिंह कुशवाह, राजेश गुप्ता, आलोक विजयवर्गीय, अर्चना तिवारी, राजेन्द्र मित्तल पार्षद, गिर्राज गुप्ता, मनोज वर्मा, महावीर गुप्ता, नपाध्यक्ष प्रतिनिधी सुजीत गर्ग, राहुल गुप्ता आदि दानदाता शामिल हैं।



मंदिर में की शिवलिंग और नंदी महाराज की स्थापना, विश्राम स्थल कराया जीर्णोद्धार

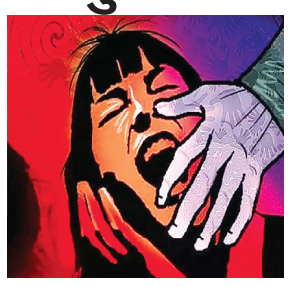
मुक्तिधाम परिसर में नवनिर्मित महाकालेश्वर महादेव मंदिर में महादेव की मूर्ति की स्थापना के साथही शिवलिंग और नंदी महाराज की स्थापना भी की गई है। अब कोई भी श्रद्धालु इस मंदिर पहुंचकर न सिर्फ दर्शनलाभ अर्जित कर सकता है, बल्कि यहां दो घड़ी बैठकर शकुल के पल भी गुजार सकता है। क्योंकि इस मंदिर के पास ही बने विश्राम स्थल का जीर्णोद्धार कराते हुए इसे सुविधा युक्त बना दिया गया है। विश्राम स्थल को पुताने के साथही उसके अंदर पंखे और कुर्सियां भी लगा दी गई है।

रात में लघुशंका करने घर से बाहर निकली महिला से दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

रात में लघुशंका करने के लिए घर से बाहर निकली महिला से दुष्कर्म हो गया। यह घटना बडौदा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर जेल भेज दिया है।

बडौदा थाना पुलिस के मुताबिक 22 साल की पीड़ित महिला दो बच्चों की मां है। गत 20 सितंबर की रात को पीड़ित महिला का पति तेजाजी की विनौरी देखने के लिए गया था। इसके बाद महिला जब लघुशंका करने के लिए घर से बाहर निकली तो उसे अकेला देखकर आरोपी भगवान सुमन ने पकड़ लिया और मुंह दबाकर पास ही स्थित एक निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन की बिल्डिंग में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। इसके बाद आरोपी पीड़िता को धमकी देकर फरार हो गया। पति के लौटने पर पीड़िता ने घटना के बारे में बताया और फिर सुबह थाने पहुंचकर आरोपी भगवान सुमन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे शाम को अरेस्ट कर लिया और न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल पहुंचा दिया है।



ई-विकास पोर्टल पर रिजेक्ट उर्वरक की बुकिंग के समय में बदलाव की मांग

विजयपुर। ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण में किसानों को आ रही परेशानी को देखते हुए भाजपा मंडल विजयपुर के अध्यक्ष शुभम मुदगल ने रिजेक्ट उर्वरक की ई-टोकन बुकिंग के समय में बदलाव की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि ई-विकास पोर्टल पर किसानों के ई-टोकन की समय-सीमा समाप्त होने के बाद रिजेक्ट उर्वरक की राशि रात 12 बजे प्रदर्शित होती है। इसके चलते किसानों को अगले दिन उर्वरक की ई-टोकन बुकिंग करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। मंडल अध्यक्ष मुदगल ने मांग की है कि टोकन की वैधता समाप्त होने पर रिजेक्ट उर्वरक की उपलब्धता अगले दिन सुबह 10 बजे प्रदर्शित की जाए, जिससे किसान आसानी से ई-टोकन बुक कर सकें और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

आज मनेगा 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस, आयुष संस्थाओं में आयोजित होंगे स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में 23 सितंबर को जिले में 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद रखी गई है। आयुर्वेद दिवस के पूर्व जिले में आयुष विभाग द्वारा जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। आयुर्वेद दिवस के नोडल अधिकारी डॉ. सुग्रीव मीणा ने बताया कि 23 सितंबर को जिले की सभी आयुष संस्थाओं में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर आयुष विंग जिला चिकित्सालय परिसर श्योपुर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में अपने निकटतम आयुष संस्थान अथवा जिला चिकित्सालय स्थित आयुष विंग में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराएं तथा आयुष चिकित्सा पद्धति का लाभ उठाएं।

पीपलीमाड से युवती लापता, अपहरण का अंदेशा

श्योपुर। मानपुर थाना क्षेत्र के गांव पीपलीमाड से बीती रात को एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों के बीच लापता हो गई। परिजनों ने अपहरण का अंदेशा जाहिर करते हुए मानपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है और एक संदेही युवक का नाम भी पुलिस को बताया है। पुलिस ने बताया कि काशीपुर ग्राम पंचायत के पीपलीमाड निवासी मीनाक्षी ओड राजपूत 19 वर्ष गत रात्रि के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों के बीच घर से लापता हो गई। जिसका पता परिजनो को सुबह नींद खुलने पर चला। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज करते हुए युवती की तलाश शुरू कर दी है।

विद्यार्थियों से संवाद में मिली शिकायत के बाद कलेक्टर ने लिया संज्ञान

खेल परिसर में शिष्यावृत्ती का खेला अधीक्षक पर गिरी कार्रवाई की गाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

भारत सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा आदिवासी युवाओं को खेल कौशल में निपुण करने के उद्देश्य से बनाए गए खेल परिसर और उसमें अध्यनरत एक सैकड़ा के करीब युवाओं को खेल कौशल के साथ-साथ युवाओं की डाइट पर खर्च होने वाली राशि में कोताही बरतने पर कलेक्टर शीला दाहिमा ने खेल परिसर अधीक्षक धीरज रावत को हटाने की कार्रवाई कर दी है। यह कार्रवाई शिष्यावृत्ती की 10 प्रतिशत राशि विद्यार्थियों के खातों में नहीं डाले जाने पर की है। खास बात यह है कि विद्यार्थियों के खातों में यह राशि नहीं डाले जाने की जानकारी कलेक्टर को भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों से ही मिली। जिस पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अधीक्षक को हटाने की कार्रवाई की।

बता दें कि बीते रोज कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा हॉस्टल का निरीक्षण किया गया था जिसमे छात्रावास परिसर मे साफ सफाई और दूसरी व्यवस्थाओ पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई थी। इस दौरान उन्होंने अध्यनरत विद्यार्थियों से खेल गतिविधि के बारे में जानकारी ली साथ-साथ उन्हें शिष्यावृती की जानकारी ली तो विधार्थियों ने कोई भी राशि मिलने से साफ इनकार कर दिया। जिस पर कलेक्टर ने आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को जांच करने के निर्देश दिए थे जांच में स्पष्ट हुआ कि शासन से मिलने वाली राशि में से जो 10 फीसद राशि शिष्यावृती के नाम पर विद्यार्थियों के खातों में सीधे डाले जाने थी वह नहीं डाली गई।

ज्ञात हो कि जो खाने के लिए छात्रावास एवं आश्रम में मिलता है उसमें से 10 फीसद राशि तेल साबुन इत्यादि के लिए विद्यार्थियों के खातों में डाली जाता है। शिष्यवर्ती क्री 10 प्रतिशत राशि बच्चों को नहीं दिए जाने के चलते यह कार्यवाही क्री गई है। कलेक्टर के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त ट्राइबल ने धीरज रावत को अधीक्षकीय प्रभार से मुक्त करते हुए मूल संस्था शासकीय हाई स्कूल जाखदा के लिए कार्यमुक्त कर दिया है।



खेल शिक्षक को मिलेगी कमान या फिर बैठाया जाएगा प्यादा

खेल परिसरों की जिम्मेदारी खेल शिक्षक के पास होनी चाहिए यह सर्कुलर बना हुआ है। इस सर्कुलर के मुताबिक आदिम जाति कल्याण विभाग को अपने खेल परिसर की जिम्मेदारी विभाग में मौजूद पांच खेल शिक्षक (पीटीआई) में से किसी एक का चुनाव कर खेल परिसर एवं छात्रावास का अधीक्षक बना सकता है। लेकिन इसकी अनदेखी करते हुए बीते ढाई साल से गैर खेल शिक्षक को अधीक्षक बनाया हुआ था जिससे एक तो उसकी मूल संस्था (स्कूल) में पढ़ाई व्यवस्था ठप हो रही थी। दूसरे खेल के बारे में अनुभव नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को खेल कौशल में निपुण होने से मेहरूम रहना पड़ रहा था। अब जब कलेक्टर ने गैर खेल शिक्षक को अधीक्षक के परिवार से मुक्त कर दिया है तो प्रश्न उठ रहा है कि नया अधीक्षक क्या विभाग में मौजूद पांच खेल शिक्षकों में से किसी एक को बनाया जाएगा या फिर वही राजनीतिक प्यादे को बैठाया जाएगा ?

इनका कहना...

कलेक्टर के निर्देश पर अधीक्षक को हटाकर उन्हें मूल संस्था में वापस भेज दिया है। अगर कलेक्टर सर्कुलर मांगेंगे तो उपलब्ध कराया जाएगा और जैसे निर्देश मिलेंगे उसी का पालन होगा।

राकेश गुप्ता
सहायक आयुक्त ट्राइबल

शहर में यातायात हुआ बाधित, गांव में किसान सबसे अधिक परेशान

तीन रात से चल रहा धरपकड़ अभियान, फिर भी सड़कों पर परेशानी का कारण बना निराश्रित गौवंश

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बीते तीन रातों से नगर पालिका डोल ग्यारस त्यौहार को ध्यान में रखते हुए शहर की सड़कों से छुट्टा मवेशियों को पकड़ने और जंगल में छोड़ने का काम लगातार करती रही। नगर पालिका के कर्मचारी रात भर जाग कर इन मवेशियों को जंगल की ओर ले जाकर छोड़कर आ रहे हैं इसके बावजूद शहर में छुट्टा मवेशियों की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। प्रश्न यही उठ रहा है कि जब इतनी बड़ी संख्या में मवेशियों को जंगल की ओर ले जाकर छोड़ा जा रहा है तो फिर नए मवेशी शहर में आ कहां से रहे हैं?। इन मवेशियों के कारण जहां शहर की यातायात व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही है वही ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के लिए यह जीवन मरण का प्रश्न हो गया है। इन छुट्टा मवेशियों में अधिकतर निराश्रित गोवंश होते हैं जो खेतों में घुसकर किसानो की फसल बर्बाद कर देते हैं। इन छुट्टा मवेशियों से होने वाली परेशानी से किसानों और आमजन निजात कभी मिलेगी या नहीं यह विचार हर दिमाग़ में कोंध रहा है।

भले ही राज नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए किसानों को खाद बीज बिजली पानी मुहैया कराने के लिए भरसक प्रयास करते रहे या फिर किसानों के बीच खड़े होकर धरना प्रदर्शन का हिस्सा बने लेकिन इन समस्याओं से अधिक बड़ी समस्या किसानों के आगे निराश्रित गोवंश है किसानों का मित्र गोवंश अचानक फालतू से निराश्रित ही गया और अब जंगली होता जा रहा है। ज्ञात हो कि अपनी फसल के लिए आफत का सबब बनने से किसान गोवंश की हांककर जंगल में लेजाकर खंड़ रहा है। गौरतलब है कि श्योपुर जिले के दांतरदा क्षेत्र से लगे राजस्थान के सवाई माधोपुर के गांव किसान अपने मवेशियों को श्योपुर के गांवों में छोड़ कर चले जाते हैं। यह मवेशी सोंईकलां क्षेत्र के गुरुनाक्दा, शंकरपुर, कोटरा, गोपालपुरा, नागर गांवड़ा, रन्नोद, बरोद, तिल्लीपुर, ज्वालापुर, नंदापुर, सामरसा, भोगिका सहित आसपास के दर्जनभर से ज्याद गांवों के आसपास के खेतों में झुंड बनाकर फसलों को चरने और किसानों को बर्बाद करने का काम करते हैं। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि राजस्थान के किसान फसल बोवनी होते ही पाली पुल पार करवाकर जिले की सीमा में सैकड़ों मवेशियों को छोड़ जाते हैं। आए दिन खेड़ी जाने वाली हजारों की संख्या में बेसहारा मवेशी खेतों में खड़ी हुई फसलों को खाकर और रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाती आ रही हैं, मजबूरन क्षेत्र के किसानों को अपनी फैसले बचाने के लिए इन्हें जंगल में हांककर आना पड़ता है। प्रश्न यह उठ रहा है कि जिस तरह राजनेता अपनी राजनीति चमकाने के उद्देश्य से किसानों के लिए खाद बिजली पानी की मांग करता है वैसे ही फसल के लिए काल बन चुके निराश्रित गोवंश से छुटकारा दिलाने के लिए कोई पहल क्यों नहीं करता है जबकि सरकार के पास गोवंश के संरक्षण हेतु गौशालाए बनाने का विकल्प मौजूद है।



जंगल में भटक रही हजारों गाय

गाय के नाम पर वोट मांगने वाले नेताओं के लिए शर्मिंदगी की बात तो यह है कि जिस गाय को वह माता मानकर पूजते हैं या फिर उसे पूजने के लिए ढोंग करते हैं यह नेता चुनाव निपट जाने के बाद गाय की लेश मात्र भी चिंता नहीं करते हैं। इसकी बानगी श्योपुर के जंगल (बावंदा के आसपास क्षेत्र) में हजारों निराजित गाए विचरण कर रही है इन गायों को विभिन्न गांव के किसान अपनी फसलों को नुकसान से बचाने के लिए छोड़ गए हैं या फिर वह बाजार में लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पुल बनने से सफर आसान पर खेती मुश्किल

जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 1 किला बस्ती से मलपुरा गांव को ओड़ने वाली सीप नदी इन दिनों किसानों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। हालांकि पुल नहीं था तब किसान नावों से जोखिम भरा सफर करने को मजबूर थे लेकिन अब इस पुल के माध्यम से यह आसानी से अपने पहनी की ला ओर ले जा सकते हैं। जिस गांव में ट्रैक्टर ट्राली जाया नहीं करते थे वहां वह ट्रैक्टर ट्राली और दूसरे वाहन दौड़ लगाते देखे जा रहे हैं। पर इस पुल के बनने का नुकसान किसानों को यह हुआ है कि अब पूल के मध्यम से निराजित गोवंश और आवारा जानवर गाँव में प्रवेश कर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं इसमें निराश्रित गोवंश से अधिक है।

जिले में 25 गौशाला हो रहीं संचालित

श्योपुर जिले में 43 गौशालाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 25 का संचालन हो रहा है। कुछ अन्य गौशालाएं भी निमार्णाधीन हैं। ज्ञात हो कि कमलनाथ सरकार ने जिले भर के निराश्रित गोवंश की आसरा देने के उद्देश्य से पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नरेगा योजना के माध्यम से जिले भर में 55 गौशालाओं के निर्माण को मंजूरी दी थी जिन्हें पंचायत स्तर पर बनाया जाना था इन गोशालाओं का निर्माण पर तब 19 करोड़ 19 लाख 28 हजार रुपये का स्टीमेट बनाया गया था। इन गौशालाओं में जिले भर की करीब 5500 निराश्रित गायों को रखे जाने का लक्ष्य था। पर बाद में इन्हें बढ़ाकर 43 कर दिया और उनमें से अभी सिर्फ 25 का संचालन हो रहा है।

इनका कहना...

डोल ग्यारस के त्यौहार को ध्यान में रखते हुए बीते तीन रातों से लगातार छुट्टा मवेशियों को हांककर जंगल में छोड़ने का काम किया है। कुछ मवेशियों को गौशाला में बंद कराया गया है। कुछ को कांजी हाउस में स्थाई रूप से रखा है ताकि त्यौहार में व्यवधान ना हो। इतनी बड़ी संख्या में शहर में छुट्टा मवेशी का आना नगर पालिका के लिए भी परेशानी का सबब बन गया है।

सत्यभानु जाटव
एचओ श्योपुर

पयुर्षण पर्व का सातवें दिवस उत्तम तपधर्म आयोजित

इन्द्रियों पर नियंत्रण तप के शिखर पर चढ़ने समान:पं अतिशय

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

अपने मन तथा पांच इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना तप कहलाता है। हम तप को प्राप्त कर उन्नति के शिखर पर चढ़ सकते हैं। यह बात दिगंबर जैन समाज पयुर्षण पर्व के सातवें दिवस तप धर्म के अवसर का पंडित अतिशय ने व्याख्यान देते हुए बताई। दिगंबर जैन समाज पयुर्षण पर्व के सातवें दिन तप धर्म के अवसर का व्याख्यान किया गया। शांति धारा अभिषेक सुरेश गोधा परिवार एवं संतोष कुमार दीपक कुमार जैन परिवार द्वारा किए गए तथा इसके पश्चात नियमित एवं विधानमंडल की पूजन प्रारंभ की गई। अपने प्रवचन में पंडित अतिशय एवं विवेक कुमार जयपुर के द्वारा उत्तम तप धर्म के बारे में जानकारी दी पंडित अतिशयजैन शास्त्री ने अपने प्रवचन में तप धर्म के बारे में बताया है की अपने मन तथा पांच इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना तप कहलाता है हम तपको प्राप्त कर उन्नति के शिखर पर चढ़ सकते हैं और संयम को भूलकर अधोगति को प्राप्त हो जाते हैं जिस प्रकार गाड़ी में अगर ब्रेक नहीं है तो गाड़ी कहीं पर भी जाकर टकरा सकती है उसी प्रकार अगर हमारे जीवन में तप नहीं है तो हमारा जीवन भी कहीं पर भी किसी भी समय समाप्त हो सकता है हमको अपने मन पर कंट्रोल करना है अपनी इच्छाओं पर कंट्रोल करने का नाम संयम है। पं अतिशय जैन शास्त्री ने अपने प्रवचन में उत्तम तप धर्म के बारे में बताया है कि अपनी इच्छाओं का निरोध करना ही तप कहलाता है, उत्तम तप धर्म हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण गुण है, जिसका अर्थ है आत्म-शुद्धि और आध्यात्मिक विकास के लिए कठोर तपस्या करना। उत्तम तप धर्म को धारण करके हम अपने जीवन में बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं



खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत शंकरपुर मगरदा निवासी गजराज सिंह कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी छोटू कुशवाह ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चुरारी निवासी रामकुमार कोली ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी साहब सिंह, सरदार सिंह, राजेन्द्र सिंह और शेरसिंह यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत करीला माता मंदिर निवासी ताराबाई पथी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी छोटू, जितेन्द्र और भूरा यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के सेहराई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चिन्कूपुर निवासी गोराबाई बागड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी उसके पति खलक सिंह बागड़ी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

अशोकनगर। जिले के देहात थाने के अंतर्गत बलराम पुत्र टीकाराम आदिवासी उम्र 40 साल निवासी कजराई ने अपने ही घर में अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है, मामले की जांच की जा रही है।

अवैध शराब के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले में अवैध शराब के कई मामले दर्ज किए गए है। मुंगावली पुलिस ने कोमल अहिरवार निवास मुंगावली पुरानी गल्ला मण्डी के पास से 10 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है। कदवाया पुलिस ने ग्राम सिरनी निवासी शिवम लोधी के पास से 5 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है। शाढ़ौरा पुलिस ने फरदाई निवासी सुगर सिंह कुर्मी के पास से भी 5 लीटर हाथ भटटी की कच्ची शराब बरामद की है।

आकाश शर्मा देहात और मनीष गुर्जर ईसागढ़ थाना प्रभारी बने

अशोकनगर। ईसागढ़ की थाना प्रभारी मीना रघुवंशी और देहात थाना प्रभारी पूनम सेलर की पदोन्नति होने और उप निरीक्षक से निरीक्षक बन जाने के बाद पुलिस हेड क्वार्टर भोपाल भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने उक्त थाना प्रभारियों को लेकर देहात थाना प्रभारी आकाश शर्मा को और ईसागढ़ थाना प्रभारी मनीष गुर्जर को बनाया है। वर्तमान में मनीष गुर्जर सिटी कोतवाली में पदस्थ चल रहे थे और आकाश शर्मा पुलिस कंट्रोल रूम का प्रभार देख रहे थे।

बच्चों की चित्रकला देखी और प्रसन्नता की जाहिर



शाढ़ौरा। जन शिक्षा केंद्र स्तरीय सेवा संकल्प अभियान अन्तर्गत आज जन शिक्षा केंद्र पीएम श्री शासकीय कन्या हाई स्कूल शाढ़ौरा में मुख्य अतिथि के रूप में राव अजय प्रताप सिंह यादव ,अध्यक्ष जिला पंचायत अशोकनगर सम्मिलित हुए। बच्चों की प्रतिभाओं को सराहा विद्यालयीन व्यवस्थाओं को देखा और प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

पिपरई। नगर परिषद पिपरई स्थित सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के संकुल स्तरीय प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

दूसरे दिन भी सर्चिंग अभियान जारी, परिजनों में शोक का माहौल

20 घंटे रेस्क्यू अभियान के बाद भी नदी में डूबे दो किशोरों में से एक का शव मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर





जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर जंगली क्षेत्र में आमखो की नदी में रविवार को दो किशोर पानी में नहाते समय डूब गए थे,जिसके बाद रेसक्यू अभियान के साथ सर्चिंग अभियान चलाया गया। शनिवार को एसडीआरएफ की टीम को कोई सफलता नही मिली थी रविवार की सुबह दो किशोरों में से एक किशोर का शव घटना स्थल से 200 मीटर दूर मिला है, लेकिन दूसरे किशोर का शव 20 घण्टे बाद भी नहीं मिला है। पूरे दिन रेसक्यू अभियान जारी रहा।

जिस जगह यह घटना हुई है वहां पूरा पथरीला और जंगली क्षेत्र है यहां घोड़ापछार नदी का पानी आता है और आगे जाकर ओर नदी में मिलता है। जिस समय यह घटना हुई उस समय नदी में पानी का तेज बहाव था, उस समय अशोकनगर शहर से 5 किशोर नदी में नहाने गए थे,यह पांचों किशोर दो बाईक से गए थे, अचानक एक किशोर के परिवारजनों का फोन आने के कारण वहां से दो किशोर बाईक से वापिस अपने घर लौट आए थे, एक किशोर नदी के बाहर था और दो किशोर नदी के पानी में नहां रहे थे। बताया गया है कि उसी दौरा उसी क्षेत्र के दो आदिवासी परिवार के बच्चे भी नहां रहे थे जब वह अचानक डूबने लगे तब उन्हें नदी के बाहर खड़े एक युवक ने कूदं कर बचा लिया था लेकिन तब तक यह अशोकनगर के दोनों किशोर बहाव में बहकर आगे चले गए।

डेढ़ किलोमीटर तक सर्चिंग अभियान चला,लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा

इस दौरान थूवोन चैकी प्रभारी आमोद तिवारी एसडीआरएफ की ओर से आशीष ऋषिश्वर और निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह भी मौके पर नजर आए। इस दौरान दी में उक्त किशोर की तलाश का अभियान जारी रहा, डेढ़ किलोमीटर तक नदी के दोनो ओर भी ग्रामीणों द्वारा तलाश की गई, इसके अलावा नदी में एक नौका में बैठे जवानों द्वारा कांटे डालकर नदी में तलाश की गई लेकिन कोई सफलता नहीं मिल पाई है। इस मौके पर राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि पूरा पथरीला क्षेत्र और जंगली होने के कारण समस्या आ रही है, लेकिन हमारा सर्चिंग अभियान जारी है हम रात मे भी सर्चिंग अभियान चलाएगें। जो भी पानी में डूबने की घटनाएं होती हैं उनमें 24 से 30 घण्टे के बीच शव फूलकर ऊपर आ जाता है अगर सर्चिंग अभियान में मदद नही मिली तो शव के ऊपर पानी में आने की संभावना है, अगर किशोर की बॉडी नीचे किसी चीज में जाकर फंस गई तो उसे निकालना पड़ेगा।

दो किशोरों में से एक किशोर का शव 200 मीटर दूर मिला

इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची, विधायक बृजेन्द सिंह यादव भी मौके पर पहुंच गए थे आसपास के ग्रामीण अचंलों के लोग भी इस अभियान का हिस्सा बनकर दोनों किशोरों को रात में भी तलाशने में लगे रहे। एसडीआरएफ की टीम और होमगार्ड के जवान इस कार्य में लगे होने के बाद जब सफलता नहीं मिली तब सोमवार की सुबह फिर अभियान चलाया गया। सुबह 8 से 9 बजे के बीच घटना स्थल से 200 मीटर दूर किशोर दक्ष यादव का शव मिला था जिससे लग रहा था कि दूसरे किशोर ध्रुव ढुवे की तलाश भी पूरी हो जाएगी, लेकिन पूरे दिन सोमवार को देर शाम तक रेसक्यू अभियान चलता रहा लेकिन किशोर का कहीं पता नहीं चला।

एसडीआरएफ की टीम के पास नहीं है पूरे इंतजाम

हालांकि दो दिन पहले हुई बारिस के बाद नदी में पानी का बहाव लगभग 4 फिट कम हुआ है कई जगह आसानी से पैर रखकर नदी पार की जा सकती है और कई जगह 3 से 4 पानी है और कई जगह 8 से 10 फिट तक गहराई है। लेकिन तलाशी अभियान जारी है, इस मौसम में तो शव फूलकर बाहर आ जाता है लेकिन सर्दी के मौसम में समस्या आती है, लेकिन सब कुल मिला कर प्रशासन के पास इस तरह के कोई इंतजाम या टीम नहीं है जिससे गहराई में जाकर इस तरह की घटनाओं में सर्चिंग कर बॉडी को बाहर निकाला जा सके जो इंतजाम है वह साधारण स्तर के हैं, जिनका उपयोग एसडीआरएफ की टीम कर चुकी है और अब वह कुदरती बॉडी के फूलकर बाहर आने का इंतजार कर रही है। लेकिन इस घटना में उस परिवार पर क्या बीत रही होगी जिसका बेटा नदी में बहने के बाद भी नहीं मिला है, उस परिवार का रो रो कर बुरा हाल है, न तो कोई राजनैतिक सरंक्षण मिल रहा है और न कोई प्रशासनिक सरंक्षण। यह पूरा परिवार सोमवार को पूरे दिन नदी के किनारे बैठकर सर्चिंग अभियान देखकर यह आशा लगाता रहा कम से कम उनके बेटे के साथ जो हुआ कम से कम उसकी बॉडी तो मिल जाएगी। ऐसे मामलों में प्रशासन को संवेदनशील होने की जरूरत है।



छप्पन भोग एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया

अशोकनगर। श्री कृष्ण संस्थान महिला समिति, अशोकनगर द्वारा श्री युगल सरकार मंदिर, बायपास रोड पर छप्पन भोग एवं संगीतमय भजन-कीर्तन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। भगवान श्री राधा-कृष्ण को छप्पन भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात संगीतमय भजन-कीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में समिति की संरक्षक डॉ. अनुराधा यादव, अध्यक्ष आनंद यादव, उपाध्यक्ष कमलेश यादव एवं चंदा यादव, कोषाध्यक्ष रसना यादव, सचिव मनीषा यादव, सहसचिव रीना यादव तथा मीडिया प्रभारी बबली यादव सहित समिति की अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं। इस अवसर पर नगर परिषद ईसागढ़ की अध्यक्ष नीति यादव, कीर्ति यादव, जानकी यादव, रमा यादव, बृज कुमारी यादव, उषा यादव, रीना यादव, अनुराधा यादव, बबली यादव, सीमा यादव, रेखा यादव, काजल चंद्रेश यादव, पूनम यादव, जय कुंवर, सपना, नेहा यादव, रामकुमारी रौनक, शिवी यादव सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। भजनों की मधुर प्रस्तुतियों के बीच श्रद्धालु राधा-कृष्ण की भक्ति में भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति, भक्ति और पारिवारिक संस्कारों को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम का समापन भगवान श्री राधा-कृष्ण की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

सेवा मेरा योगदान श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान

स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखें, आदत बनाएंः प्राचार्य



हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

सेवा संकल्प अभियान–2026 के अंतर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय में सेवा मेरा योगदान श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, सेवा भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना रहा।

इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने स्वच्छता को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए छात्राओं से अपने घर, महाविद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने का आह्वान किया।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सोनाली राय ने छात्राओं को स्वच्छता एवं सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। उन्होंने छात्राओं से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रश्मि जैन ने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए सेवा एवं स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्राओं ने श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की तथा स्वच्छ परिसर एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. निशि भदौरिया द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

किसानों के हक के लिए कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

आरबीसी 6-4 में तत्काल सर्वे हो और 50 हजार रुपये प्रति एकड़ राहत दिए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार को अंबेडकर चौराहा पर अतिवृष्टि व असमय वर्षा से बर्बाद हुई फसले, खाद संकट और बंद किए गए प्राथमिक विद्यालयों को पुनः शुरू करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार हेमराज सिंह मैहर को 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि बीना विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामों में असमय वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम के कारण उड़द एवं सोयाबीन की फसलें बड़े पैमाने पर नष्ट हुई हैं। किसान गंभीर आर्थिक संकट में है, वहीं खाद वितरण में अव्यवस्था के कारण किसान परेशान है। उन्हें बीमा एवं राहत राशि प्रदान की जाए।

इस मौके पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर ने कहा बीना के किसान आज दोहरी मार झेल रहे हैं। एक तरफ कुदरत ने फसल छीन ली, दूसरी तरफ सरकार सर्वे तक नहीं करा रही। हमारी मांग है कि आरबीसी 6-4 में तत्काल सर्वे हो और 50 हजार रुपए प्रति एकड़ राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

ब्लॉक कांग्रेस सदस्य इंदर सिंह ठाकुर ने कहा वर्ष 2025 का बीमा आज तक किसानों को नहीं मिला, ये सरकार की नाकामी है। जिन किसानों की रिपोर्ट समय पर नहीं हो पाई, उनके केस री-ओपन कर बीमा देना चाहिए। शहर अध्यक्ष अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा खाद को लेकर हाहाकार मचा है। ओपन सिस्टम से कालाबाजारी बढ़ी है। हम चाहते हैं कि भू-अधिकार पुस्तिका के आधार पर जमीन के रकबे के हिसाब से खाद मिले, ताकि असली किसान को मिले, व्यापारी को नहीं।

किसान नेता इंदर यादव ने कहा किसान खाद के लिए दिनभर सहकारी समितियों के चक्कर काट रहा है। पर्याप्त खाद नहीं है। अगर समय पर खाद नहीं मिली तो रबी की फसल भी हाथ से निकल जाएगी। जिला अनुसूचित जाति अध्यक्ष अशोक परिहार ने कहा सरकार ने मर्जर के नाम पर 10 प्राथमिक स्कूल बंद कर दिए हैं। इन गांवों के गरीब, दलित, आदिवासी बच्चों को 3-4 किलोमीटर पैदल जाना पड़ेगा। शिक्षा का अधिकार छीनना बंद करो, ये स्कूल तुरंत खोले जाएं। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करेगी।

इन्होंने ली सदस्ताः राहुल गांधी की नीतियों से प्रभावित होकर अनेक युवाओं ने राहुल यादव के नेतृत्व में कांग्रेस की सदस्यता ली। जिनमें प्रमुख रूप से जोधन सिंह मुशयवदा, अरुण राय मुड़िया नायक, राहुल रैकवार बीना, अरुण चौहान सिरौंजीपुर, राजेश लोधी दौलतपुर, सूरज जैन कौरजा, आदर्श ठाकुर मालखेड़ी, आदि को पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर ने कांग्रेस का पट्टा पहना कर उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई ।

नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया व इंग्लैंड से पहुंचे पर्यटक

चंदेरी में विदेशी मेहमानों की बढ़ी दस्तक, अब जल पर्यटन पर नजर



हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदेरी

ऐतिहासिक नगरी चंदेरी अब विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है। इस सप्ताह नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से आए पर्यटकों के कई समूह चंदेरी पहुंचे। दो दिवसीय प्रवास के दौरान विदेशी मेहमानों ने चंदेरी के ऐतिहासिक स्मारकों, प्राचीन इमारतों, बावड़ियों, जलाशयों और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण किया। ऐतिहासिक विरासत के साथ चंदेरी की सदियों पुरानी जल व्यवस्था और स्थापत्य कला ने पर्यटकों का विशेष ध्यान खींचा।

पर्यटकों को चंदेरी की विरासत से रूबरू कराने के दौरान स्थानीय गाइड कल्ले भाई ने जब उन्हें बताया कि एक समय चंदेरी में करीब 1200 बावड़ियां और 20 छोटे-बड़े तालाब हुआ करते थे, तो विदेशी पर्यटकों की जिज्ञासा और बढ़ गई। उन्होंने प्राचीन बावड़ियों और जलाशयों के निर्माण की तकनीक, उनके उपयोग और उस दौर की जल प्रबंधन व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। पर्यटकों ने चंदेरी की प्राचीन जल व्यवस्था को केवल पानी के संरक्षण की व्यवस्था नहीं, बल्कि यहां की ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

इतिहास के साथ जल पर्यटन का नया अध्याय

पर्यटक समूह के लीडर मदन सिंह ने चंदेरी में जल पर्यटन की संभावनाओं को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि चंदेरी में ऐतिहासिक पर्यटन पहले से ही प्रमुख आकर्षण है, लेकिन यदि इसे जल और प्राकृतिक पर्यटन से जोड़ा जाए तो पर्यटकों के लिए यहां ठहरने और घूमने के विकल्प बढ़ सकते हैं। उन्होंने रामनगर जलाशय में बोटिंग की सुविधा विकसित करने का सुझाव दिया। मदन सिंह ने बताया कि वर्तमान में गंगा क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने के कारण वहां नौकायन बंद है। चंदेरी आने वाले कई पर्यटक समूह इसके बाद गंगा क्षेत्र की ओर भी जाते हैं। ऐसे में यदि चंदेरी में ही जल पर्यटन की सुविधाएं विकसित की जाती हैं तो पर्यटकों को एक ही क्षेत्र में इतिहास, स्थापत्य, प्रकृति और जल पर्यटन का अनुभव मिल सकता है।

प्रोजेक्ट लक्ष्य के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत आयोजित संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में बीपीसीएल द्वारा संचालित प्रोजेक्ट लक्ष्य के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान बनाया।

प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट लक्ष्य के 5 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में अंडर-19 बालिका वर्ग से निकिता कुशवाहा, अंडर-14 बालक वर्ग से दवेश अहिरवार एवं घनश्याम कुशवाहा तथा अंडर-14 बालिका वर्ग से अंजली कुशवाहा एवं मिष्टी लोधी शामिल हैं।

चयनित खिलाड़ी 26 सितंबर से प्रारंभ होने वाली राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

उल्लेखनीय है कि बीपीसीएल प्रोजेक्ट लक्ष्य के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शतरंज प्रतिभाओं को निरंतर प्रशिक्षण एवं अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 150 शतरंज खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। खिलाड़ियों को प्रोजेक्ट लक्ष्य के प्रशिक्षक जफर खान, अंजली चौरसिया एवं दीपाली कुशवाहा द्वारा नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रोजेक्ट लक्ष्य के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर मिल रहे हैं, जिससे क्षेत्र की युवा शतरंज प्रतिभाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं।

तप और संयम से आत्मशुद्धि की ओर बढ़ता है साधक : मुनि श्री सरल सागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



पर्युषण पर्व के उत्तम तप धर्म के पावन अवसर पर श्रुततीर्थ–श्रुतधाम में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य मुनि श्री 108 सरल सागर महाराज ने कहा कि मिट्टी से निकले कलश से लेकर कल्याण तक की साधना का नाम तप धर्म है। जिस प्रकार मिट्टी का घड़ा अग्नि में तपकर जल धारण करने योग्य बनता है, उसी प्रकार मनुष्य जीवन प्राप्त कर जब तप और संयम की अग्नि में स्वयं को तपाता है, तभी वह नर से नारायण बनने की दिशा में आगे बढ़ता है। मुनि श्री ने कहा कि इच्छाओं और वासनाओं का निरोध करने से तप धर्म आत्मा में प्रकट होता है। स्वाध्याय अर्थात शास्त्रों के पठन-पाठन से इच्छाओं की तीव्रता का ज्ञान होता है। तप की पूरी प्रक्रिया में इच्छाओं का निरोध करना महत्वपूर्ण है। संयम की सिद्धि और कर्मों की निर्जरा ही तप का उद्देश्य होना चाहिए। उपवास आदि तप साधना के माध्यम से साधक आत्मशुद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

रिटायर्ड रेल कर्मचारी आरके जैन ने बताया इसी पावन अवसर पर नाभिनंदन दिगंबर जैन मंदिर, इटावा (बीना) में आयोजित धर्मसभा को बाल ब्रह्मचारी संदीप 'सरल' भैया ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इच्छाओं और वासनाओं का निरोध करने से तप धर्म आत्मा में प्रकट होता है। स्वाध्याय के माध्यम से व्यक्ति अपनी इच्छाओं की प्रकृति एवं तीव्रता को समझ सकता है और तप के माध्यम से उन पर नियंत्रण प्राप्त कर सकता है। तप और संयम आत्मकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण साधन हैं।

धर्मसभा में पर्युषण पर्व के दौरान तप, संयम, स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। श्रद्धालुओं ने धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने तथा आत्मकल्याण की भावना के साथ तप और संयम को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।